सुदृढ़ वर्तमान
उज्ज्वल भविष्य का निर्माण

प्रिय शेयरधारकों,

आपकी कंपनी की 35वीं वार्षिक आम सभा में आप सबका स्वागत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। आपको याद होगा कि पिछले साल वार्षिक आम सभा में मैंने अपने पहले भाषण में कहा था कि मैं आपके सहयोग से कंपनी को नई बुलंदियों पर पहुँचाने और स्टेकधारकों को अधिक मूल्य प्रदान करने का प्रयास करूंगा। मैं विनम्रता और गौरव के साथ यह बताना चाहता हूँ कि आपकी कंपनी ने वर्ष 2006-07 में अच्छा काम किया है और आज यह कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है।

वित्त वर्ष 2006-07 आपकी कंपनी के साथ-साथ इस्पात उद्योग के लिए एक घटनाप्रद वर्ष रहा है। वर्ष 2006-07 में तैयार इस्पात के उत्पादन को 520 लाख टन और खपत को 460 लाख टन से अधिक पहुंचाते हुए, भारत विश्व के इस्पात उत्पाद देशों में, चीन, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बाद पांचवें स्थान पर आ गया है।

पिछले तीन वर्षों में 8.6% समेकित वार्षिक वृद्धि दर के साथ, भारत आज तीव्र गति से प्रगति कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। वर्ष 2006-07 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 9.4% रही, जबकि इसी अवधि के दौरान भारत में इस्पात की खपत में 11.4% की वृद्धि हुई। वर्तमान वर्ष के लिए 8.5% से अधिक वृद्धि के अनुमान और अप्रैल-जून 2007 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में 9.3% की वास्तविक वृद्धि भारत के सेल और इस्पात उद्योग के लिए अच्छे आसार हैं।

वर्ष 2006-07 में रिकार्ड कार्यनिष्पादन

आपकी कंपनी ने वर्ष 2006-07 के दौरान क्षमता उपयोग में 114% की नई ऊँचाई छूते हुए, विक्रेय इस्पात के उत्पादन में 126 लाख टन का एक नया कीर्तिमान बनाया है। वर्ष के दौरान मूल्य संवर्धित और विशेष इस्पात मदों के उत्पादन पर खास बल दिया गया और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आपकी कंपनी ने इस तरह के उत्पादों का 30 लाख टन उत्पादन किया, जो 2006-07 के दौरान इसके कुल उत्पादन का एक चौथाई भाग है। इस तरह से पिछले वर्ष के मुकाबले 17% वृद्धि दर्ज हुई है।

मुझे यह बताते हुए हार्दिक खुशी हो रही है कि आपकी कंपनी ने 39,189 करोड़ रुपये की अब तक का सर्वाधिक कारोबार किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 21% वृद्धि है और 2002-03 के दौरान 19,207 करोड़ रुपये के कारोबार से दोगुने से अधिक है। कंपनी ने 10,966 करोड़ रुपये की अब तक की सर्वाधिक ब्याज, मूल्यह्रास और कर पूर्व आय और 9,423 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में क्रमश: 49% और 65% अधिक है।

आपकी कंपनी को फरवरी, 2007 में वर्ष 2006-07 के दौरान 50,000 करोड़ रुपये का बाजार पूंजीकरण प्राप्त करने वाली देश की पहली धातु कंपनी बनने का गौरव मिला है, जो अब बढ़ कर लगभग 70,000 करोड़ रुपये हो गया है। वर्ष 2006-07 के लिए 15% अंतिम लाभांश देने के लिए निदेशक मंडल की अनुशंसा की घोषणा करते हुए मुझे खुशी हो रही है और पहले ही अदा किये गये 16% अंतिरम लाभांश को मिला कर, यह पिछले वर्ष दिए गए 20% लाभांश की तुलना में वर्ष के लिए चुकता इक्विटी का 31% कुल लाभांश होगा।

वर्ष के दौरान कंपनी का शुद्ध मूल्य पुन: बढ़कर 17,184 करोड़ रुपये हुआ। पिछले वर्ष की अपेक्षा 4,798 करोड़ रुपये की वृद्धि और 2002-03 के दौरान 1,989 करोड़ रुपये के न्यून स्तर के मुकाबले भारी उछाल। इससे कंपनी को अपने ऋण की तुलना में इक्विटी अनुपात में सुधार करते हुए इसे 31 मार्च, 2007 को 0.24:1 करने में मदद मिली।

अपने विपणन तंत्र के आकार और पहुँच को बढ़ाने एवं सेल के उत्पादों को देश के कोने-कोने में उपलब्ध कराने के ध्येय से कंपनी ने 430 जिलों में 453 डीलरों की नियुक्ति की, जिससे 31 मार्च 2007 को देश के 527 जिलों में

कुल 653 नये डीलर हो गये हैं। आज, आपकी कंपनी अपने स्टॉकयार्डों, सी एंड एफ एजेंसी यार्डों और डीलर्स विक्रय केन्द्रों के अपने नेटवर्क के जरिये देश के 603 जिलों में से 600 जिलों में पहुँच गई है।

अनवरत विकास प्राप्त करने और एक प्रेरणा मूलक माहौल बनाने के लिए आपकी कंपनी ने वर्ष के दौरान मानव संसाधन विकास के लिए अनेक प्रयास किये। फलस्वरूप श्रम उत्पादकता बढ़ कर अब तक के सर्वाधिक स्तर पर पहुँची। इसके अलावा, योजना बनाने की प्रक्रिया में अग्रिम पंक्ति के कामगारों को शामिल करने से पहली बार प्रतिदिन आधार पर कर्मचारियों द्वारा सृजनात्मकता और अभिनव प्रयासों का पता लगाने एवं सम्मानित करने की प्रणाली शुरू की गई। इस प्रणाली से हर स्तर पर चिंतन और अभिनव प्रयास करने के प्रति अपार उत्साह देखा गया।

प्रमुख मानक

कंपनी ने वर्ष के दौरान तकनीकी-आर्थिक मानकों में सुधार करने पर विशेष बल दिया। फलस्वरूप, कंटीन्युअस कास्ट का रिकार्ड 83 लाख टन उत्पादन हुआ (5% वृद्धि), अब तक की न्यूनतम कोक दर, सर्वश्रेष्ठ ब्लास्ट फर्नेस

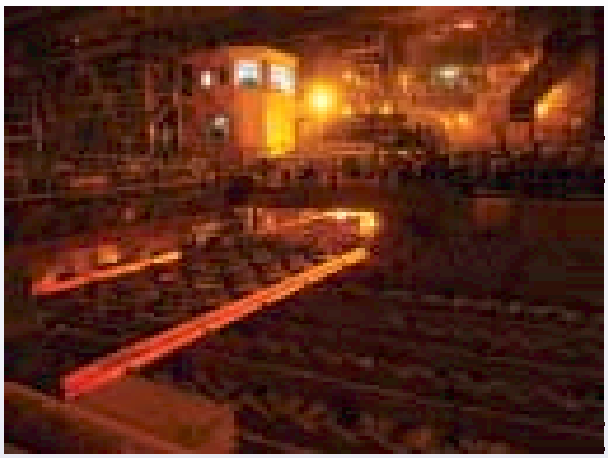

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में ब्लूम कास्टर

उत्पादकता और प्रति टन कच्चे इस्पात पर न्यूनतम ऊर्जा खपत प्राप्त हुई। पिछले वर्ष की तुलना में विशेष बिजली खपत में भी 4% की कमी हुई। वर्ष के दौरान सभी स्तरों पर लागत में कटौती करने और व्यवस्थित एवं अभिनव दृष्टिकोण के जरिये उत्पादकता में सुधार करने के उपायों से लागत में 400 करोड़ रुपये की बचत हुई।

अनुसंधान एवं विकास और नये उत्पादों का विकास

पूरे संगठन में अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को तेज किया गया और लब्धि (ईल्ड) सुधार, लागत प्रतिस्पर्धा, क्वालिटी और प्रक्रिया सुधार जैसे विविध क्षेत्रों में अनेक परियोजनाओं पर काम किया गया। सेल के अनुसंधान एवं विकास केन्द्र ने 2006-07 के दौरान 40 पेटेंट और 38 कॉपीराइट प्राप्त किये। कंपनी ने वर्ष के दौरान अनेक नये उत्पादों को बाजार में उतारा जैसे भूकंप रोधी निर्माण के लिए एचसीआर-ईक्यआर टीएमटी, सुरंग निर्माण के लिए रॉक बोल्ट टीएमटी, एलपीजी सिलेंडर बनाने के लिए ईएन सिरीज एचआर कॉयल्स, चेन्स के लिए एमसी 12 एचआर कॉयल्स, इत्यादि। इसके अलावा, भिलाई इस्पात कारखाने ने उच्च शक्ति बेनेडियम रेल्स विकसित की, दुर्गापुर इस्पात कारखाने ने उच्च गति लोको के लिए एस-प्रोफाइल व्हील तैयार किये और राउरकेला इस्पात कारखाने ने विशेष प्लेट्स की रोलिंग की, जिनका इस्तेमाल देश में निर्मित रॉकेट पीएसएलवी सी-7 में हुआ। देश की सुरक्षा जरूरतों के लिए अनेक उत्पादों समेत, राष्ट्रीय महत्व की विशेष परियोजनाओं के लिए इस्पात की आपूर्ति करने में आपकी कंपनी को गौरव का अहसास है।

वर्तमान कार्यनिष्पादन

कंपनी के संसाधनों का पुन: अनुकूलतम उपयोग करते हुए, वर्तमान वर्ष में भी विकास की गति कायम रही है। वर्तमान वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही में कंपनी ने 1,525 करोड़ रुपये का अब तक का किसी भी प्रथम तिमाही का सर्वोच्च कर उपरांत लाभ प्राप्त करते हुए रिकार्ड कारोबार किया। शानदार वित्तीय कार्यनिष्पादन से नगदी सृजन बढ़ाने और ऋण-इक्विटी अनुपात में पुन: कमी करते हुए इसे 30 जून, 2007 को 0.18:1 करने में मदद मिली। इससे आपकी कंपनी द्वारा चलाए जा रहे आधुनिकीकरण एवं विस्तार कार्यक्रमों में मदद पहुँचाने के लिए एक सुदृढ़ वित्तीय आधार मिलेगा।

भावी परिवेश

विश्व में 12,440 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन 2005 की तुलना में 8.9% अधिक है। विश्व इस्पात व्यापार भी 2006 में 13% बढ़ कर 3,950 लाख टन हुआ। वर्ष 2007 में भी यह प्रवृत्ति जारी रही। वर्ष के प्रथम सात महीनों में विश्व में 7,620 लाख टन कच्चे इस्पात के उत्पादन के साथ 8% की वृद्धि दर्ज हुई। इस अवधि में चीन ने 2,790 लाख टन उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 18.5% अधिक है।

वर्ष 2007 के दौरान विश्व में कच्चे इस्पात का उत्पादन 13,000 लाख टन होने की आशा है, जिसमें से एक तिहाई से अधिक का योगदान चीन द्वारा किया जायेगा। इस्पात की मांग में मजबूती जारी रहने के चलते अंतरराष्ट्रीय इस्पात बाजार में तेजी का माहौल है। वर्ष 2007 में अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमरीका में एक मजबूत सकारात्मक विकास प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं। परन्तु, कोयला, कोक, लौह अयस्क, स्क्रैप फैरो अलॉयज, इत्यादि जैसे प्रमुख कच्चे माल की तेजी से बढ़ती कीमतें इस्पात निर्माताओं के लिए चिन्ता का विषय है।

वर्ष 2006 में, सर्वोच्च 15 इस्पात निर्माताओं ने विश्व कच्चे इस्पात उत्पादन में एक तिहाई योगदान किया, जबकि दस वर्ष पहले यह 26% था। आर्सेलर-

माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने पश्चिम बंगाल के माननीय मुख्यमंत्री श्री बुद्धादेव भट्टाचार्जी, माननीय केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक तथा इस्पात मंत्री श्री राम विलास पासवान और माननीय केन्द्रीय इस्पात राज्य मंत्री डॉ. अखिलेख दास की उपस्थिति में इस्को के आधुनिकीकरण एवं विस्तार हेतु आधार-शिला रखते हुए।

मित्तल विलय के साथ विश्व इस्पात उद्योग में एकीकरण की प्रक्रिया को भारी बल मिला, जिससे विश्व उत्पादन में लगभग 10% योगदान करने वाले एक वृहद संगठन की स्थापना हुई। यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है और हम आगे भी अधिक अंतरराष्ट्रीय विलय एवं अधिग्रहण देख सकते हैं। चीन ने भी एकीकरण की योजना बनाई है, जिसके तहत वर्ष 2010 तक इसके उत्पादन का 50% से अधिक इनके देश के सर्वोच्च 10 इस्पात निर्माताओं से मिलेगा। इन समस्त घटनाक्रमों से आपकी कंपनी के सामने नई चुनौतियां आयेंगी, जिसके लिए अनेक रणनीतियां बनाई जा रही हैं।

सामरिक उपाय

अपने अत्यंत कुशल एवं समर्पित कार्यदल, बड़े पैमाने पर कच्चे माल के निजी स्रोत, देशव्यापी विपणन तंत्र और पुन: विस्तार में सहयोग पहुंचाने के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे के साथ, आज सेल देश की विकास प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने के लिए पूर्णत: तैयार है। भारतीय इस्पात क्षेत्र के विकास में योगदान करने और घरेलू इस्पात बाजार में अपने नेतृत्व की भूमिका कायम रखने के लिए आपकी कंपनी ने अपने वार्षिक तप्त धातु उत्पादन को 146 लाख टन के वर्तमान स्तर से बढ़ा कर 260 लाख टन से अधिक करने की योजना बनाई है। इसके तहत सभी पाँच एकीकृत इस्पात कारखानों में आधुनिकीकरण एवं विस्तार कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। परियोजना पूर्ण करने की समय सीमा को भी पहले प्रस्तावित 2011-12 से कम करते हुए वर्ष 2010 किया जा रहा है।

आधुनिकीकरण एवं विस्तार योजनाओं के कार्यान्वयन से कारखानों को अधिक उत्पादन करने में मदद करने के लिए बुनियादी सुविधाओं का नवीकरण करने के अलावा, पुरानी टेक्नोलॉजी मिटाने, तैयार इस्पात का अंश बढ़ाकर लगभग 100% करते हुए उत्पाद-श्रृंखला को समृद्ध बनाने और उपभोक्ता केन्द्रित प्रणालियां शुरू करने में मदद मिलेगी। इस विशाल जिम्मेदारी के लिए गहन रूप से योजना बनाने और बड़ी संख्या में एजेंसियों के साथ संयोजन करने, सही टेक्नोलॉजी का चयन और बुद्धिमता से कोष का प्रबंधन करने की जरूरत होगी। आपकी कंपनी ने इस सब क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू कर दी है। वर्ष के दौरान अनेक पूंजीगत परियोजनाएं पहले ही चालू कर दी गई हैं और कोक ओवन बैटरियों का पुनर्निर्माण, स्लैब कास्टर, ब्लास्ट फर्नेसों में कोल डस्ट इंजेक्शन सेकेंडरी रिफाइनिंग यूनिट्स की स्थापना एवं स्वचालन और सूचना टेक्नोलॉजी से संबंधित कार्यक्रम जैसी अनेक अन्य योजनाओं का कार्यान्वयन चल रहा है। अतिरिक्त नई सुविधाओं के अलावा, उत्पादकता में समग्र सुधार के लिए मूल्य संवर्धित इस्पात का अधिक उत्पादन करने के लिए मौजूदा सुविधाओं का नवीकरण भी किया जा रहा है।

आईआईएसआई के एक अध्ययन के अनुसार 2020 तक भारत में इस्पात की मांग 1,600 से 1,800 लाख टन के बीच पहुँचने का अनुमान है। बाजार में अपना दीर्घकालीन वर्चस्व कायम रखने के लिए आपकी कंपनी 2010 से अगे की विकास योजना पर साथ-साथ काम कर रही है।

आपकी कंपनी ने अपने कच्चे माल आधार को पुख्ता करने के लिए भी अनेक उपाय किये हैं। लौह अयस्क की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए, बोलानी और गुवा स्थित मौजूदा खानों का विस्तार करने के अलावा, नई खानें विकसित की जा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा रावघाट लौह अयस्क भंडार के लिए वन एवं पर्यावरण स्वीकृतियां दे दी गई है और केन्द्रीय सरकार की मंजूरी के लिए प्रयास काफी आगे बढ़ गये हैं। जहाँ तक कोकिंग कोयले का सवाल है, सीतानाला के साथ-साथ तसरा कोल ब्लॉक्स को विकसित करने के लिए कदम उठाये गये हैं। इसके अलावा, आपकी कंपनी दीर्घकालीन सुरक्षा उपाय के रूप में अन्य प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ अंतरराष्ट्रीय कोल ब्लॉस्क में भागीदारी करने का प्रयास कर रही है। कंपनी की मौजूदा निजी कोयला खानों से भी उत्पादन बढ़ाया जा रहा है। फैरो अलॉयज की उपलब्धता बढ़ाने की दृष्टि से भिलाई में एक संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए मैंगनीज ओर इण्डिया लिमिटेड के साथ सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किये गये।

अपने ठोस अपशिष्ट निपटान के लिए दीर्घकालीन बाजार का पता लगाने और मूल्य संवर्धन के ध्येय से, आपकी कंपनी भिलाई/सतना में 22 लाख टन वार्षिक उत्पादन क्षमता का एक संयुक्त उद्यम सीमेंट कारखाना स्थापित कर रही है। बोकारो और राउरकेला में संयुक्त उद्यम सीमेंट कारखानों की स्थापना के लिए कदम उठाये गये हैं। बिजली की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए सेल और एनटीपीसी का संयुक्त उद्यम भिलाई में 500 मेगावाट विस्तार कार्यान्वित कर रहा है। इसके अलावा सेल की संयुक्त उद्यम कंपनी बीपीएससीएल बोकारो में 500 मेगावाट क्षमता का एक अतिरिक्त बिजली कारखाना लगा रही है। आपकी कंपनी के व्यवसाय को आगे बढ़ाने के ध्येय

से छत्तीसगढ़ में एक ग्रीनफील्ड इस्पात कारखाना लगाने के लिए आरआईएनएल तथा एनएमडीसी के साथ सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किये गये। सेलम में बहु-उत्पाद इस्पात आधारित विशेष आर्थिक जोन विकसित करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई हैं। हाल ही में, आपकी कंपनी ने पोस्को, कोरिया के साथ भी व्यापक सामरिक गठबंधन के लिए सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किये।

समाज के प्रति उत्तरदायित्व

लोगों की ज़िंदगी में सकारात्मक बदलाव लाने के अंतर्निहित दर्शन और मूल मंत्र के साथ सेल अपनी स्थापना से ही समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को पूरा करने के लिए अग्रणी रही है। हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने ''हमारे समाज को अधिक मानवीय और न्यायसंगत बनाने में भागीदारी के लिए'' निगमित भारत का आह्वान किया था। आपकी कंपनी ने अपने निगमित सामाजिक दायित्व के निर्वहन के लिए वर्तमान वर्ष के दौरान 100 करोड़ रुपये का बजट रखा है।

कंपनी द्वारा स्थापित 4 सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों समेत 19 अस्पतालों, 39 प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों, 18 प्रसूति एवं बाल स्वास्थ्य केन्द्रों, के जरिये व्यापक स्वास्थ्य देखभाल की बुनियादी प्रणाली प्रदान करते हुए हर वर्ष 20 लाख से अधिक लोगों को विशिष्ट स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान की जाती हैं। इस्पात नगरियों में लगभग 150 स्कूलों में 80 हजार से अधिक बच्चों को शिक्षित करने के अलावा, आस-पास के क्षेत्रों में 250 से अधिक स्कूलों में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सहायता दी जा रही है। सेल स्कूलों की एक महत्वपूर्ण विशेषता 1:1 बाल: बालिका अनुपात है, जिनमें शिक्षा बहाली की दर 95% रहने की विशेष ख्याति है। कंपनी द्वारा निरन्तर सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक सुविधायें प्रदान करने के प्रयासों से सेल इस्पात नगरियों में साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक 80% है।

आपकी कंपनी को प्रतिष्ठित बिज़नेसवर्ल्ड-फिक्की-एसईडीएफ निगमित सामाजिक जिम्मेदारी पुरस्कार 2006 प्राप्त करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का प्रतिष्ठान होने का श्रेय मिला है, जिसे 7 मई 2007 को तत्कालीन माननीय भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया।

आपकी कंपनी की निगमित पर्यावरण नीति में लागू विनियमों का अनुपालन करते हुए और इनसे भी बढ़ कर अपने व्यवसाय का प्रचालन पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व निभाते हुए करने पर बल दिया गया है। कंपनी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझती है और जल खपत, बैटरियों से वायु उत्सर्जन और ठोस अपशिष्ट पदार्थ उपयोग के लिए निर्धारित मानकों का पूर्णत: अनुपालन किया गया है। कंपनी ने 2006-07 के दौरान लगभग 3 लाख पौधे लगाये और दिल्ली विश्वविद्यालय के जैव-प्रौद्योगिकी विभाग और सेल के मध्य सहमति-पत्र के तहत पूर्णापानी स्थित 150 एकड़ से अधिक डिग्रेडिड खनन क्षेत्र को बहाल किया गया।

आपकी कंपनी के भिलाई, बोकारो और सेलम स्थित कारखानों एवं दुर्गापुर इस्पात कारखाने के कुछ विभागों, राउरकेला इस्पात कारखाने और इस्को इस्पात कारखाने एवं दल्ली, किरीबुरू, मेघहाताबुरू और बोलानी स्थित लौह अयस्क खानों को पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली आईएसओ:14001 से प्रमाणित किया गया है। कंपनी की सभी यूनिटों में आईएसओ:14001 कार्यान्वित करने की दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं। आपकी कंपनी क्लीन डेवलेपमेंट मेकेनिज़्म के तहत क्योटो प्रोटोकॉल और एशिया पेसिफिक पार्टरशिप फोर क्लीन क्लाइमेट डेवलपमेंट प्रोग्राम से भी सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है।

सम्मान

आपकी कंपनी के शानदान कार्यनिष्पादन को 2006-07 के दौरान सभी क्षेत्रों से उचित सम्मान मिला है। इसके अंतर्गत शामिल है वर्ष 2005 का विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार, जो 41 कर्मचारियों को अपने कार्यक्षेत्रों में सराहनीय सुधार लाने के लिए असाधारण योगदान देने पर दिया गया है। कंपनी के 10 कर्मचारियों ने राष्ट्रीय श्रम पुरस्कार 2004 भी प्राप्त किया। कंपनी द्वारा प्राप्त अन्य प्रमुख पुरस्कारों में शामिल हैं- वर्ष 2006 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र वर्ग में शिक्षण और विकास में उत्कृष्टता हेतु बीएम मुंजाल पुरस्कार, भारतीय धातु संस्थान द्वारा सेलम इस्पात कारखाने को राष्ट्रीय सस्टेनेबिलिटी पुरस्कार 2006, माननीय भारत के उप-राष्ट्रपति द्वारा 14 फरवरी, 2007 को रॉ मैटिरियल डिवीजन को वर्ष 2002 और 2003 के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार और भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा भिलाई इस्पात कारखाने को वर्ष 2006 के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय क्वालिटी पुरस्कार।

आभार

उपरोक्त सभी सम्मान और कार्यनिष्पादन में उत्कृष्टता सेल कार्यदल के हर सदस्य की कार्यनिष्ठा और अथक प्रयास के बिना संभव नहीं हो सकती थी। मैं अपनी सबसे बड़ी संपदा और हमारी रणनीतियों के केन्द्र बिन्दु अपने कार्यदल के इस योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। मैं इस अवसर पर सेल कार्यदल और निदेशक मंडल में अपने सहयोगियों की ओर से भी कंपनी के प्रतिष्ठित शेयरधारकों द्वारा दिये गये सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। हम भविष्य में भी आपसे निरन्तर सहयोग की कामना करते हैं। हम इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार, राज्य सरकारों, अन्य संगठनों और संस्थाओं का भी कंपनी में अपना विश्वास रखने के लिए धन्यवाद देते हैं। मुझे विश्वास है कि अंतर्निहित शक्तियों और भावी चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए समय पर किये गये उपायों से आपकी कंपनी अपने समस्त स्टेकधारकों के लिए अनवरत विकास प्रदान करने के लिए तैयार है।

सुशील कुमार रुंगटा

दिनांक : 20 सितम्बर, 2007
स्थान : नई दिल्ली

श्री एस.के. रुँगटा
अध्यक्ष